STD 10 HINDI - EPISODE :30 DATE 12-11-21

पाठ का नाम: बच्चे काम पर जा रहे हैं।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखें :

1) "बच्चे काम पर जा रहे हैं" - नामक कविता के द्वारा कवि किस समस्या की ओर हमारा ध्यान आकर्षित करते हैं?

उत्तर : कवि बाल- श्रम या बाल मज़दूरी की ओर हमारा ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं।

2) कवि के अनुसार बालश्रम की समस्या को विवरण की तरह लिखना भयानक है। इसे फिर किस तरह लिखना है?

उत्तर :कवि के अनुसार बालश्रम के बारे में प्रश्नों की तरह लिखना चाहिए।

3) बच्चे काम पर जा रहे हैं- कविता में बचपन से जुड़े कौन- कौन से शब्द हैं ?

उत्तर :गेंदें, रंग- बिरंगी किताबें, खिलौने, मदरसों की इमारतें, मैदान, बगीचे, घरों के आँगन आदि ।

4) कि है सारी चीजें हस्बमामूल। यहाँ "सारी चीजें" से क्या मतलब है ?

उत्तर :बच्चों के पढ़ने और खेलने की चीजें ।

5) कवि श्री. राजेश जोशी के अनुसार सबसे भयानक स्थिति क्या है?

उत्तर : यदि कहीं बच्चों क़े खेलने के साधन, उनकी किताबें, पाठशालाएं आदि नष्ट हो गए हैं तो स्थिति भयानक है। पर इससे भी भयानक बात यह है कि ये सारी सुविधाएँ पहले जैसी है, कुछ भी नष्ट नहीं हुई है। फिर भी कुछ बच्चे काम पर जा रहे हैं। यह सबसे भयानक स्थिति है।

6) हम बालश्रम को एक सामाजिक समस्या कह सकते हैं। क्यों ?

उत्तर : क्योंकि हमारे समाज में ऐसे कई छोटे- छोटे बच्चे हैं, जो काम करने के लिए विवश हैं।

7) यह कविता किस सामाजिक समस्या की चर्चा कर रही है ?

उत्तर : बालश्रम या बाल मज़दूरी |

8) बच्चे काम पर क्यों जाते होंगे ?

उत्तर : ऐसे बच्चों के परिवार गरीब होते हैं। माता- पिता की अशिक्षा भी बालश्रम का कारण है। समाज के कुछ लोग कम वेतन देकर बच्चों से काम करा लेते हैं। इसीलिए शोषण भी बालश्रम का कारण है।

9) बचपन से वंचित कई बच्चे हैं। उनकी मदद करना हमारी भी जिम्मेदारी हैं। बालश्श्रम के विरुद्ध पोस्टर तैयार करें।

पोस्टर के लिए कुछ संदेश वाक्य :

1) बाल श्रम कानूनन अपराध है।

2) बालश्रम रोकने में मदद दें ।

3) पढ़ने के लिए . . . . . हाँ ।

बालश्रम के लिए . . . . . नहीं।

4) बच्चों को खेलने दें, पढ़ने दें |

5) हम मिलकर बालश्रम को रोकें।

6) बाल मज़दूरी है अभिशाप |

विश्व बालश्रम विरुद्ध दिन

जून 12

बच्चों को पढ़ने दें, खेलने दें।

बालश्रम कानूनन अपराध है |

10) बच्चे काम पर जा रहे हैं नामक " कविता की आस्वादन टिप्पणी तैयार करें |

उत्तर :

हिंदी के आधुनिक कवि श्री राजेश जोशी की लिखी कविता है बच्चे काम पर जा रहे हैं। आपकी कविताएँ गहरी सामाजिक सच्चाई की कसोटी है। मनुष्यता को बचाए रखना आपकी कविताओं की विशेषता है। आजकल बालश्रम एक सामाजिक समस्या है। हर बच्चे का अपना- अपना हक है I सुरक्षित रहने का, शिक्षा पाने का आदि । लेकिन यहाँ कुछ इन हकों से वंचित है। वे इस समस्या की ओर आम जनता का ध्यान आकर्षित करते हैं । कवि कहते हैं कि बड़े सबेरे कोहरे से ढँकी सड़क पर, जहाँ राह भी ठीक तरह से सूझती नहीं बच्चे काम पर जा रहे हैं। इस समय बड़े लोग तो घर के अंदर सर्दी से बचकर रहते हैं । हमारे समय की सबसे भयानक स्थिति है यह। क्योंकि यह उनके काम करने की उम्र नहीं है। फिर भी काम पर जाने के लिए विवश हैं। भूख और गरीबी के कारण वे बचपन से वंचित रहते हैं। यह हमारे समय की एक विकराल समस्या है | इसे सामान्य मानकर विवरण की तरह प्रस्तुत करना भी भयानक बात है। कवि के मतानुसार इस बात को सवाल की तरह उठाना चाहिए कि हमारे बच्चे क्यों काम पर जा रहे हैं ?

कवि पूछते हैं कि खेलने की उम्र में बच्चों को क्यों काम करना पड़ता है ?

बच्चों की हालत देखकर कवि का मन आक्रोश से भरा हुआ है। जिन रंग- बिरंगी किताबों को उन्हें पढ़ना है, उन्हें दीमक ने खा लिया है क्या? साथ ही साथ सारे खिलौने काले पहाड़ के नीचे दब गए हैं क्या? और सारे मदरसों की इमारतें किसी भूकंप में ढह गई क्या ? कवि के अनुसार इससे भी भयानक है, इस बात को एक सामान्य प्रथा या रीति के अनुकूल मानना । समाज में बच्चों से काम करवाने की प्रथा अन्याय है। स्कूल जाना, लिखना, खेलना, कूदना जीवन की मज़ा लूटना आदि बचपन का काम है । लेकिन कुछ बच्चे इनसे वंचित हैं । उनको इस समय स्वच्छंद होकर जीना है। बाल श्रम ज़रूर एक बुरी प्रथा है।

समाज की एक ज्वलंत समस्या को कविता के द्वारा प्रस्तुत करने में कवि सफल हुए हैं। कविता की भाषा अत्यंत सरल एवं चिंता करने की प्रेरणा देने वाली है। कवि ने यहाँ बड़े मनौवैज्ञानिक ढंग से बच्चों की दुनिया पर नज़र डाल दिया है|

नमूने के अनुसार लिखें ।

क्या अंतरिक्ष में गिर गई है सारी गेंदें ।	ऐसे बच्चे खेलने के अवसर से वंचित हैं।
क्या दीमकों ने खा लिया है सारी रंग बिरंगी किताबों को	.....
क्या किसी भूकंप में ढह गई है	.....

सारे मदरसों की इमारतें ।	

उत्तर

क्या अंतरिक्ष में गिर गई है सारी गेंदें ।	ऐसे बच्चे खेलने के अवसर से वंचित हैं।
क्या दीमकों ने खा लिया है सारी रंग बिरंगी किताबों को	ऐसे बच्चे पढ़ने से वंचित हैं।
क्या किसी भूकंप में ढह गई है सारे मदरसों की इमारतें ।	ऐसे बच्चे मदरसे या पाठशाला में जाकर पढ़ने से वंचित हैं।

नवीन शब्दार्थ

बगीचा - പൂന്തോട്ടം

आँगन - മുറ്റം

एकाएक - പെട്ടെന്ന്

खत्म हो गए - അവസാനിച്ചു

हस्ब मामूल – പതിവ് പോലെ

हज़ारों - ആയിരക്കണക്കിന്

गुज़रना - കടന്നുപോവുക

****